तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज
28/09/21	उभयपक्ष/उभयपक्ष के अधिवक्ता उपस्थित। प्रकरण को लोक अदालत में रैफर करने हेतु दोनों पक्ष सहमत अतः प्रकरण लोक अदालत में रफर किया जाता (पक्षकारान आ. पे. [illegible] पर दिनांक 17/12/21 को पेश हो)
17/12/21	पत्रावली राजस्व लोक अदालत में पेश हुई पक्षकारान उप./अनु./अधिवक्ता उभयपक्ष उप./अनु.। पक्षकारान से समझाइश की गई परन्तु राजीनामा नहीं हुआ। अतः पत्रावली संबंधित न्यायालय में आईन्दा दिनांक 28/01/22 को पेश हो।
28/01/22	पत्रावली पेश हुई । पी.अ. अवकाश / अन्य कार्यों में व्यस्त आयन्दा पत्रावली दिनांक 03/03/22 को पेश हो। [signature] रीडर
03/03/22	पत्रावली पेश हुई। आवाजे लगवाई गई। बार-बार आवाजे लगवाने जाने के बावजूद पक्षकार उपस्थित नहीं मिलते रहे प्रतीत होता है कि पक्षकार की वाद पत्र में रूचि नहीं है अतः वाद पत्र [illegible] तुली स्टेज पर अदम [illegible] अदम पैरवी में खारिज किया जाता है। पत्रावली निर्णय में शुमार होकर हस्ब जाब्ता दाखिल दफ्तर हो। [signature]

Signature Not Verified
Digitally signed by Ashok Kumar
Date: 2022.06.20 15:48:30 IST
Reason: SelfAttested